Bharat International Journal of Humanities and Social Sciences | 2017 | Volume 06 | Issue 02 | Pages 01-06
https://bijhss-university-journal.in/en

Bharat International Journal of Humanities and Social Sciences

Research Article

प्रबंधन स्नातकों में मनोवैज्ञानिक कल्याण: व्यक्तित्व लक्षणों, मनोवैज्ञानिक प्रत्यास्थता और निर्णय-निर्माण शैलियों की भूमिका

Psychological Well-Being Among Management Graduates: The Roles of Personality Traits, Resilience, and Decision-Making Styles

Prof. Golit Prabhakar[1]

[1] Prof, Faculty of Entrepreneurship and Business, Atal Bihari Vajpayee Hindi University, India. E-mail: golit_pr@yahoo.com

***Correspondence:** golit_pr@yahoo.com

Submitted: 01 June 2017 | Revised: 20 June 2017 | Accepted: 05 Sep 2017 | Published: 11 Sep 2017

सारांश: प्रबंधकीय करियर की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को आगे चलकर ऐसी पेशेवर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जिनसे उनके मनोवैज्ञानिक कल्याण पर दबाव पड़ता है। इस अध्ययन में प्रबंधन के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व की प्रवृत्तियों, मनोवैज्ञानिक प्रत्यास्थता और निर्णय-निर्माण की शैलियों का उनके मनोवैज्ञानिक कल्याण से संबंध जाँचा गया। अध्ययन में **120** विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें से **78** ने सभी आकलन पूरे किए और उनके उत्तरों को विश्लेषण में शामिल किया गया। आकलन के लिए मायर्स-ब्रिग्स प्रकार सूचक (एमबीटीआई), पारस्परिक संबंधों के व्यवहार का आकलन करने वाला एफआईआरओ-बी उपकरण, प्रत्यास्थता मापनी, निर्णय-निर्माण शैली सूची और रिफ़ की मनोवैज्ञानिक कल्याण मापनी का उपयोग किया गया।. व्यक्तित्व की प्रवृत्तियों, प्रत्यास्थता और निर्णय-निर्माण की शैलियों के अधिकांश मापित आयामों का मनोवैज्ञानिक कल्याण से सांख्यिकीय रूप से सार्थक सहसंबंध पाया गया। विश्लेषण में ये तीनों कारक मनोवैज्ञानिक कल्याण के सार्थक सांख्यिकीय पूर्वानुमानक भी पाए गए। लिंग के अनुसार व्यक्तित्व के चिंतन-भावना आयाम और मनोवैज्ञानिक कल्याण के स्वायत्तता आयाम में सार्थक अंतर देखा गया। कार्यानुभव के अनुसार व्यक्तित्व के कुछ आयामों में अंतर पाया गया। आयु के अनुसार व्यक्तित्व और मनोवैज्ञानिक कल्याण, दोनों के कुछ आयामों में अंतर दर्ज किया गया। ये निष्कर्ष अध्ययन में शामिल प्रबंधन विद्यार्थियों के मनोवैज्ञानिक कल्याण से जुड़ी व्यक्तिगत विशेषताओं की पहचान करते हैं।

प्रमुख शब्द – व्यक्तित्व की प्रवृत्तियाँ, मनोवैज्ञानिक प्रत्यास्थता, निर्णय-निर्माण की शैलियाँ, मनोवैज्ञानिक कल्याण, प्रबंधन के विद्यार्थी।.

Abstract: Management students preparing for managerial careers will face professional demands that can place pressure on their psychological well-being. This study examined how personality dispositions, resilience, and decision-making styles relate to psychological well-being among management students. Of the 120 students who participated, 78 completed the assessments and were included in the analysis. The instruments were the Myers–Briggs Type Indicator (MBTI), the Fundamental Interpersonal Relations Orientation–Behavior instrument (FIRO-B), the Resilience Scale, the Decision Making Style Inventory, and Ryff's Psychological Well-Being Scale. Most measured dimensions of personality dispositions, resilience, and decision-making styles were significantly correlated with psychological well-being. The analysis also identified all three as significant statistical predictors of psychological well-being. Significant gender differences were observed on the thinking–feeling dimension of personality and the autonomy dimension of psychological well-being. Selected personality dimensions differed by work experience, while selected dimensions of personality and psychological well-being differed by age. The findings identify individual characteristics associated with psychological well-being in this sample of management students.

Keywords: Personality dispositions, resilience, decision-making styles, psychological well-being, management students.

1. प्रस्तावना

राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, पर्यावरणीय और कानूनी बदलाव प्रबंधकों के काम की माँगों को प्रभावित करते हैं। करियर की शुरुआत में प्रबंधकों को सीमित अनुभव के साथ नई जिम्मेदारियाँ निभानी पड़ सकती हैं। उन्हें अनिश्चित परिस्थितियों में निर्णय लेने, अलग-अलग अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने और दबाव के बाद अपने काम पर फिर से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है। प्रबंधन की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों में इन क्षमताओं और मनोवैज्ञानिक कल्याण के बीच संबंध समझना इसलिए प्रासंगिक है।

© 2015 By the Authors. This Open Access Article Was Published Under a Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/).

इस अध्ययन में **मनोवैज्ञानिक कल्याण** को छह आयामों के माध्यम से देखा गया है। इनमें स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता, अपनी परिस्थितियों को सँभालना, व्यक्तिगत विकास, सकारात्मक संबंध, जीवन का उद्देश्य और आत्म-स्वीकृति शामिल हैं। अध्ययन का मुख्य प्रश्न यह है कि व्यक्तित्व, पारस्परिक व्यवहार, कठिनाइयों से उबरने की क्षमता और निर्णय लेने की पसंद इन आयामों से किस प्रकार जुड़ती हैं।

2. साहित्य समीक्षा और वैचारिक आधार

2.1 व्यक्तित्व और पारस्परिक व्यवहार

व्यक्तित्व की प्रवृत्तियाँ बताती हैं कि कोई व्यक्ति जानकारी कैसे ग्रहण करता है, निर्णय लेते समय किन बातों को प्राथमिकता देता है और दूसरे लोगों से किस प्रकार संपर्क करता है। मूल अध्ययन में व्यक्तित्व को दो पूरक दृष्टियों से मापा गया। MBTI में बहिर्मुखता-अंतर्मुखता, संवेदन-अंतर्ज्ञान, चिंतन-भावना और निर्णयपरकता-ग्रहणशीलता के आयाम शामिल थे। FIRO-B ने समावेशन, नियंत्रण और स्नेह से संबंधित पारस्परिक व्यवहार का आकलन किया। इसमें व्यक्ति द्वारा दूसरों की ओर व्यक्त व्यवहार और दूसरों से अपेक्षित व्यवहार को अलग रखा गया।

उदाहरण के लिए, कोई विद्यार्थी स्वयं समूह की गतिविधियों में लोगों को शामिल करने की पहल कर सकता है। उसी विद्यार्थी की यह इच्छा भी हो सकती है कि दूसरे लोग उसे अपनी गतिविधियों में शामिल करें। FIRO-B में इन दोनों प्रवृत्तियों को अलग मापा जाता है।

2.2 मनोवैज्ञानिक प्रत्यास्थता

मनोवैज्ञानिक प्रत्यास्थता से आशय कठिन परिस्थितियों का सामना करने और दबाव या असफलता के बाद अपने कामकाज को सँभालने की क्षमता से है। मूल लेख में उद्धृत अध्ययनों ने प्रत्यास्थता को परिस्थितियों पर पकड़, व्यक्तिगत विकास और आत्म-स्वीकृति जैसे आयामों से जोड़ा। प्रबंधन शिक्षा के संदर्भ में इसका अर्थ यह जाँचना है कि चुनौतियों से निपटने की क्षमता विद्यार्थियों की स्वतंत्रता, लक्ष्यबोध और स्वयं के प्रति दृष्टिकोण से किस हद तक जुड़ी है।

2.3 निर्णय-निर्माण की शैलियाँ

अध्ययन ने चार शैलियों पर विचार किया। **निर्देशात्मक शैली** स्पष्ट कार्रवाई और त्वरित निर्णय पर बल देती है। **विश्लेषणात्मक शैली** जानकारी और विकल्पों की जाँच पर केंद्रित है। **अवधारणात्मक शैली** व्यापक संभावनाओं और दीर्घकालिक परिणामों पर ध्यान देती है। **व्यवहारपरक शैली** लोगों की आवश्यकताओं, संवाद और निर्णय के पारस्परिक परिणामों को महत्व देती है। किसी शैली की उपयोगिता निर्णय के संदर्भ पर निर्भर हो सकती है। इसलिए इन शैलियों और कल्याण के अलग-अलग आयामों के बीच संबंधों की जाँच की गई।

2.4 मनोवैज्ञानिक कल्याण के आयाम

आयाम	अध्ययन में आशय
स्वायत्तता	अपने विवेक और मानकों के आधार पर निर्णय लेना
परिस्थितियों पर पकड़	रोज़मर्रा की माँगों और उपलब्ध संसाधनों को सँभालना
व्यक्तिगत विकास	सीखना, अपनी क्षमताएँ विकसित करना और नए अनुभवों के लिए तैयार रहना
दूसरों के साथ सकारात्मक संबंध	भरोसे और पारस्परिक सहयोग पर आधारित संबंध बनाना
जीवन का उद्देश्य	अपने लक्ष्यों और गतिविधियों में दिशा तथा अर्थ अनुभव करना
आत्म-स्वीकृति	अपने गुणों, सीमाओं और पिछले अनुभवों को स्वीकार करना

3. उद्देश्य और परिकल्पनाएँ

अध्ययन के तीन प्रमुख उद्देश्य थे। पहला, व्यक्तित्व, पारस्परिक व्यवहार, प्रत्यास्थता और निर्णय-निर्माण की शैलियों का कल्याण के आयामों से सहसंबंध देखना। दूसरा, इन मापों को एक साथ लेकर कल्याण के छह आयामों के लिए प्रतिगमन मॉडल बनाना। तीसरा, लिंग, कार्यानुभव और आयु के आधार पर चुने गए समूहों की तुलना करना।

परिकल्पना	परीक्षण का प्रश्न
H1	क्या व्यक्तित्व, प्रत्यास्थता और निर्णय-निर्माण की शैलियाँ मनोवैज्ञानिक कल्याण से जुड़ी हैं?
H2	क्या इन मापों को शामिल करने वाले प्रतिगमन मॉडल मनोवैज्ञानिक कल्याण के आयामों की भिन्नता स्पष्ट करते हैं?
H3	क्या लिंग, कार्यानुभव और आयु के अनुसार इन मापों में अंतर दिखाई देता है?

4. शोध पद्धति

4.1 प्रतिभागी और अध्ययन अवधि

अध्ययन जुलाई और अगस्त 2016 के बीच किया गया। प्रारंभिक समूह में भारत के विभिन्न शहरों और शैक्षिक पृष्ठभूमियों से आए 120 प्रबंधन प्रतिभागी थे। इनमें से 78 ने परीक्षण पूरे किए। विश्लेषित नमूने में 65 पुरुष और 13 महिलाएँ थीं। कुल 53 प्रतिभागियों के पास पूर्व कार्यानुभव था और 25 के पास कार्यानुभव नहीं था।

समूह का आधार	श्रेणी	संख्या
लिंग	पुरुष	65

लिंग	महिला	13
कार्यानुभव	बिना पूर्व कार्यानुभव	25
कार्यानुभव	पूर्व कार्यानुभव के साथ	53
आयु	20-23 वर्ष	31
आयु	24-27 वर्ष	47

मूल लेख के शीर्षक में *management graduates* और नमूने के विवरण में *students* शब्द का प्रयोग है। इस रूपांतरण में विश्लेषित समूह को **प्रबंधन के विद्यार्थी** कहा गया है।

4.2 मापन उपकरण

उपकरण	मापे गए आयाम और स्वरूप
मायर्स-ब्रिग्स प्रकार सूचक (MBTI)	बहिर्मुखता-अंतर्मुखता, संवेदन-अंतर्ज्ञान, चिंतन-भावना और निर्णयपरकता-ग्रहणशीलता
पारस्परिक संबंध अभिमुखता-व्यवहार (FIRO-B)	व्यक्त और अपेक्षित समावेशन, नियंत्रण और स्नेह
वाग्निल्ड और यंग की प्रत्यास्थता मापनी	मूल लेख में 14 मदों और सात-बिंदु प्रतिक्रिया मापनी का उल्लेख है
रो और मेसन की निर्णय-निर्माण शैली सूची	20 मद और चार शैलियाँ — निर्देशात्मक, विश्लेषणात्मक, अवधारणात्मक और व्यवहारपरक
रिफ़ की मनोवैज्ञानिक कल्याण मापनी	42 मद, छह आयाम और छह-बिंदु सहमति मापनी

4.3 सांख्यिकीय विश्लेषण

डेटा का विश्लेषण SPSS में किया गया। द्विचर संबंधों के लिए पियर्सन गुणन-आघूर्ण सहसंबंध, समूहों के औसत की तुलना के लिए *t* परीक्षण और मनोवैज्ञानिक कल्याण के छह आयामों के लिए अलग-अलग बहु प्रतिगमन मॉडल इस्तेमाल किए गए। प्रत्येक प्रतिगमन में 20 पूर्वानुमानक शामिल थे। मॉडल का समग्र *F* परीक्षण बताता है कि पूर्वानुमानकों का समूह परिणाम से जुड़ा है या नहीं। किसी एक चर के स्वतंत्र योगदान की व्याख्या उसके अपने गुणांक और अनिश्चितता के आधार पर की जाती है।

5. परिणाम

5.1 सहसंबंध

नीचे मूल लेख की तालिका 1 में चिह्नित सहसंबंधों को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। रिक्त स्थान के लिए मूल तालिका ने कोई सार्थक गुणांक प्रदर्शित नहीं किया।

पूर्वानुमानक	स्वायत्तता	परिस्थितियों पर पकड़	व्यक्तिगत विकास	सकारात्मक संबंध	जीवन का उद्देश्य	आत्म-स्वीकृति
बहिर्मुखता	.291**	.323**	.305**	.365**	—	.311**
अंतर्मुखता	−.289**	−.325**	−.307**	−.369**	—	−.312**
संवेदन	—	—	−.299**	—	—	—
अंतर्ज्ञान	—	—	.307**	—	—	—
चिंतन	.294**	—	—	—	.332**	—
भावना	−.296**	—	—	—	−.334**	—
निर्णयपरकता	—	—	—	—	.510**	—
ग्रहणशीलता	—	—	—	—	−.504**	—
व्यक्त समावेशन	.313**	.454**	—	.301**	—	—
व्यक्त स्नेह	—	.223*	.301**	.350**	.373**	.256*
व्यक्त नियंत्रण	.253*	—	—	−.296**	—	—
अपेक्षित	—	—	.313*	.286*	.319*	—

स्नेह			*		*	
अपेक्षित नियंत्रण	–	–	−.350**	–	−.294**	−.236*
कुल FIRO-B	.279*	.290*	–	–	–	–
प्रत्यास्थता	.512**	.459**	.392**	–	.440**	.473**
विश्लेषणात्मक निर्णय शैली	–	–	.258*	–	–	–

* $p < .05$। ** $p < .01$। दोनों स्तर मूल लेख के द्विपक्षीय परीक्षणों के अनुसार हैं।

प्रत्यास्थता का सकारात्मक संबंध पाँच आयामों में दिखाई दिया। इसके विपरीत, निर्णय-निर्माण की शैलियों में प्रकाशित सहसंबंध तालिका ने विश्लेषणात्मक शैली और व्यक्तिगत विकास के बीच एक सार्थक संबंध दिखाया ($r = .258$)। पारस्परिक व्यवहार में व्यक्त स्नेह पाँच कल्याण आयामों से सकारात्मक रूप से जुड़ा था। इस प्रकार H1 को आंशिक समर्थन मिला और संबंधों की व्यापकता अलग-अलग मापों में भिन्न थी।

5.2 बहु प्रतिगमन

मनोवैज्ञानिक कल्याण का परिणाम	बहु R	R^2	$F(20, 57)$	प्रकाशित p
स्वायत्तता	.737	.543	3.387	< .001
परिस्थितियों पर पकड़	.705	.497	2.816	.001
व्यक्तिगत विकास	.727	.529	3.200	< .001
सकारात्मक संबंध	.737	.543	3.393	< .001
जीवन का उद्देश्य	.762	.581	3.949	< .001
आत्म-स्वीकृति	.655	.429	2.137	.013

स्रोत – मूल लेख की तालिकाएँ 2, 4, 6, 8, 10 और 12। जहाँ प्रकाशित सॉफ़्टवेयर आउटपुट में .000 है, वहाँ यहाँ p < .001 *दिया गया है।*

सबसे अधिक नमूना-प्रसरण जीवन के उद्देश्य वाले मॉडल में स्पष्ट हुआ (58.1%)। आत्म-स्वीकृति का मॉडल 42.9% प्रसरण स्पष्ट करता है और उसका प्रकाशित $p = .013$ है। यह परिणाम 5% के स्तर पर सार्थक है। मूल वर्णन में इसके लिए 1% का स्तर लिखा है, जो प्रकाशित तालिका से मेल नहीं खाता।

कुछ मॉडल में व्यक्तिगत गुणांक भी सार्थक थे। उदाहरण के लिए, प्रत्यास्थता का स्वायत्तता ($B = .166$, $p = .001$), परिस्थितियों पर पकड़ ($B = .079$, $p = .030$) और आत्म-स्वीकृति ($B = .144$, $p = .020$) के साथ सकारात्मक समायोजित संबंध दर्ज हुआ। विश्लेषणात्मक निर्णय शैली का स्वायत्तता के साथ ऋणात्मक समायोजित संबंध था ($B = −.167$, $p = .013$)। यह व्यक्तिगत विकास के साथ उसके सकारात्मक द्विचर सहसंबंध से अलग परिणाम है। दोनों विश्लेषण अलग कल्याण आयामों और अलग सांख्यिकीय प्रश्नों से संबंधित हैं।

छह समग्र मॉडल H2 का समर्थन **संयुक्त मॉडल के स्तर पर** करते हैं। इनसे प्रत्येक व्यक्तित्व आयाम, प्रत्येक निर्णय शैली या प्रत्येक चर-समूह के अलग योगदान का निष्कर्ष निकालने के लिए संबंधित गुणांकों या अतिरिक्त परीक्षणों की आवश्यकता है।

5.3 लिंग के अनुसार तुलना

आयाम	पुरुषों का औसत, n = 65	महिलाओं का औसत, n = 13	t	p
चिंतन	15.97	12.15	2.345	.022
भावना	7.88	11.69	−2.338	.022
स्वायत्तता	30.75	26.31	2.828	.006

स्रोत – मूल लेख की तालिका 14।

नमूने में पुरुषों का औसत चिंतन और स्वायत्तता पर अधिक था। महिलाओं का औसत भावना आयाम पर अधिक था। इन परिणामों को नमूने के समूह औसत के रूप में पढ़ना चाहिए, विशेषकर क्योंकि महिला समूह में 13 प्रतिभागी थे।

5.4 कार्यानुभव के अनुसार तुलना

आयाम	बिना अनुभव का औसत, n = 25	अनुभव वाले समूह का औसत, n = 53	t	p
अपेक्षित नियंत्रण	1.76	2.96	−2.294	.025
चिंतन	13.56	16.17	−1.989	.050
निर्णयपरकता	11.84	15.23	−2.059	.043

ग्रहणशीलता	10.08	6.68	2.065	.042

स्रोत – मूल लेख की तालिका 15।

कार्य अनुभव वाले प्रतिभागियों का औसत अपेक्षित नियंत्रण और निर्णयपरकता पर अधिक था। अनुभवहीन समूह का औसत ग्रहणशीलता पर अधिक था। चिंतन के लिए प्रकाशित p = .050 है, जिसे सीमा पर स्थित परिणाम माना जाना चाहिए। मूल वर्णन एक स्थान पर भावना का उल्लेख करता है। प्रकाशित तालिका में उस तुलना के लिए निर्णयपरकता दी गई है।

5.5 आयु के अनुसार तुलना

आयाम	20-23 वर्ष का औसत, n = 31	24-27 वर्ष का औसत, n = 47	प्रकाशित *p*
अंतर्ज्ञान	16.00	13.26	.049
चिंतन	13.71	16.40	.034
भावना	10.13	7.45	.035
स्वायत्तता	28.29	31.15	.021

स्रोत – मूल लेख की तालिका 16। स्वायत्तता के लिए मुद्रित t *मान और* p *मान आपस में मेल नहीं खाते। इसलिए उस परिणाम में प्रकाशित औसत और* p *मान को अलग से दिखाया गया है।*

कम आयु वाले समूह में अंतर्ज्ञान और भावना का औसत अधिक था। अधिक आयु वाले समूह में चिंतन और स्वायत्तता का औसत अधिक था। आयु, लिंग और कार्यानुभव की तुलनाओं से H3 को कुछ आयामों पर समर्थन मिला। अनेक परीक्षणों के कारण .05 के निकट वाले परिणामों की स्वतंत्र पुष्टि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

6. चर्चा

सबसे सुसंगत द्विचर परिणाम प्रत्यास्थता का था। इसका संबंध स्वायत्तता, परिस्थितियों पर पकड़, व्यक्तिगत विकास, जीवन के उद्देश्य और आत्म-स्वीकृति से दिखाई दिया। यह स्वरूप मूल लेख में उद्धृत उस साहित्य के अनुरूप है जिसमें कठिनाइयों से निपटने की क्षमता को मनोवैज्ञानिक कल्याण के कई पहलुओं से जोड़ा गया है। इस सर्वेक्षण में माप एक ही अध्ययन अवधि में लिए गए थे। इसलिए यह निर्धारित करना संभव नहीं है कि अधिक प्रत्यास्थता ने कल्याण बढ़ाया, बेहतर कल्याण ने कठिनाइयों से निपटने में सहायता की या दोनों अन्य परिस्थितियों से प्रभावित थे।

व्यक्तित्व और पारस्परिक व्यवहार के परिणाम कल्याण के आयाम के अनुसार बदले। उदाहरण के लिए, बहिर्मुखता का सकारात्मक संबंध कई आयामों में था, जबकि निर्णयपरकता और ग्रहणशीलता के चिह्नित सहसंबंध जीवन के उद्देश्य वाले आयाम में विपरीत दिशाओं में थे। MBTI के विपरीत ध्रुवों को एक ही प्रतिगमन में शामिल करने से उनके गुणांकों की व्याख्या कठिन हो सकती है। इसी तरह, FIRO-B का कुल स्कोर उसके उप-स्कोरों के साथ शामिल करने पर पूर्वानुमानकों के बीच पर्याप्त संबंध हो सकता है। इसलिए किसी एक प्रतिगमन गुणांक को व्यक्तित्व के स्वतंत्र प्रभाव के रूप में पढ़ने से पहले सहरेखीयता की जाँच आवश्यक है।

समूह तुलनाएँ बताती हैं कि नमूने में कुछ औसत अलग थे। वे अंतर लिंग, आयु या अनुभव से जुड़ी व्यापक धारणाओं का आधार नहीं बनते। उदाहरण के लिए, अधिक आयु और पूर्व कार्यानुभव एक ही प्रतिभागी में साथ हो सकते हैं। अलग-अलग t परीक्षण इन दोनों की स्वतंत्र भूमिका निर्धारित नहीं करते।

7. प्रबंधन शिक्षा के लिए निहितार्थ

परिणाम प्रबंधन शिक्षा में दबाव से निपटने, निर्णयों पर विचार करने और पारस्परिक संवाद का अभ्यास कराने के लिए संभावित विषय सुझाते हैं। किसी केस अभ्यास में विद्यार्थी पहले जानकारी और विकल्पों का विश्लेषण कर सकते हैं, फिर अपने निर्णय के टीम और हितधारकों पर संभावित परिणामों की समीक्षा कर सकते हैं। मार्गदर्शन सत्रों में चुनौतीपूर्ण अनुभवों, सहायता लेने और असफलता के बाद कार्ययोजना बदलने पर भी चर्चा की जा सकती है।

ऐसी गतिविधियों की उपयोगिता का आकलन करते समय विद्यार्थियों के आरंभिक स्तर और बाद के बदलाव को अलग दर्ज करना होगा। इस अध्ययन में इन शिक्षण गतिविधियों का परीक्षण नहीं किया गया। प्रकाशित समूह औसतों से किसी व्यक्ति की प्रबंधकीय योग्यता या भविष्य के प्रदर्शन का आकलन भी नहीं किया जा सकता।

8. सीमाएँ और भावी शोध

1. **पूर्ण परीक्षणों की संख्या।** 120 में से 78 प्रतिभागियों ने परीक्षण पूरे किए। परीक्षण पूरा करने वाले और अधूरा छोड़ने वाले प्रतिभागियों में संभावित अंतर का विश्लेषण प्रकाशित विवरण में उपलब्ध नहीं है।

2. **छोटे और असमान समूह।** लिंग के आधार पर 65 और 13 प्रतिभागियों की तुलना की गई। बड़े और अधिक संतुलित समूहों में परिणामों की पुनः जाँच आवश्यक है।

3. **मॉडल की जटिलता।** 78 अवलोकनों पर प्रति मॉडल 20 पूर्वानुमानक शामिल थे। प्रकाशित R^2 उसी नमूने में मॉडल के मेल को दर्शाता है। अलग नमूने पर उसकी पूर्वानुमान क्षमता की जाँच प्रस्तुत नहीं है।

4. **अनेक परीक्षण।** कई सहसंबंधों और समूह तुलनाओं के कारण संयोगवश सार्थक परिणाम मिलने की संभावना बढ़ती है। प्रकाशित p मानों को इसी संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए।

5. **अध्ययन की समय-सीमा।** एक अध्ययन अवधि में दर्ज माप समय के साथ परिवर्तन या कारणात्मक दिशा स्थापित नहीं करते।

मूल लेख ने प्रबंधन और गैर-प्रबंधन पृष्ठभूमि वाले समूहों की तुलना, समय के साथ अनुवर्ती अध्ययन और कार्यस्थल में इसी प्रकार के शोध का सुझाव दिया। भावी अध्ययन में कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और नौकरी से संतुष्टि जैसे चरों को भी शामिल किया जा सकता है। यदि उन्हें समायोजक के रूप में परखा जाए, तो पहले से स्पष्ट करना होगा कि वे किस संबंध को बदल सकते हैं और उस संबंध की जाँच के लिए कौन-सा अंतःक्रिया पद इस्तेमाल होगा।

References

1. Cooper, C.L., Flint-Taylor, J., & Pearn, M. (2013). Building resilience for success: A resource for managers and
2. organizations. Basingstoke: Palgrave Macmillan.
3. Deniz, M. E. (2006). The relationships among coping with stress, life satisfaction, decision making styles and

4. decision self-esteem: An investigation with Turkish university students. Social Behavior and
5. Personality, 34 (9), 1161 - 1170.
6. Faircloth, A. L. (2017). Resilience as a mediator of the relationship between negative life events and psychological
7. well-being (Electronic Theses & Dissertations 1373). Retrieved from
8. https://digitalcommons.georgiasouthern.edu/etd/1373
9. 36 Prabandhan : Indian Journal of Management • January 2018
10. Gutiérrez, J. L. G., Jiménez, B. M., Hernández, E. G., & Puente, C. P. (2005). Personality and subjective well-being:
11. Big five correlates and demographic variables. Personality and Individual Differences, 38(7),
12. 1561-1569.
13. Jnaneswar, K. (2016). Relationship between work life balance, turnover intention and organizational support for work
14. life balance: A study in the IT Industry in Kerala. Prabandhan: Indian Journal of Management, 9 (5),
15. 33 - 44. doi:10.17010/pijom/2016/v9i5/92569
16. Keyes, C. L. M., Shmotkin, D., & Ryff, C. D. (2002). Optimizing well-being: The empirical encounter of two
17. traditions. Journal of Personality and Social Psychology, 82 (6), 1007-1029.
18. Lin, Y., Mutz, J., Clough, P. J., & Papageorgiou, K. A. (2017). Mental toughness and individual differences in
19. learning, educational and work performance, psychological well-being, and personality : A systematic
20. review. Frontiers in Psychology, 8. DOI : https://doi.org/10.3389/fpsyg.2017.01345
21. Ludban, M., & Gitimu, N.P. (2015). Psychological well-being of college students. Undergraduate Research Journal
22. for the Human Sciences, 14. Retrieved from http://www.kon.org/urc/v14/ludban.html
23. McCrae, R. R., & Costa, P. T. (1991). Adding liebe und arbeit: The full five factor model of well-being. Personality
24. and Social Psychology Bulletin, 17 (2), 227-232.
25. Min, J. A., Yoon, S., Lee, C.U., Chae, J.H., Lee, C., Song, K.Y., & Kim, T. S. (2013). Psychological resilience
26. contributes to low emotional distress in cancer patients. Support Care Cancer, 21 (9), 2469 - 2476.
27. Myers, I. B., & Briggs, K. C. (1998). Introduction to type : A guide to understanding your results on the Myers-Briggs
28. Type Indicator (6th ed.). USA : Oxford Psychologists Press.
29. Rowe, A. J., & Mason, R. O. (1987). Managing with style : A guide to understanding and improving decision making.
30. San Francisco : Jossey- Bass.
31. Ryff, C.D. (1989). Happiness is everything, or is it ? Explorations on the meaning of psychological well-being.
32. Journal of Personality and Social Psychology, 57 (6), 1069 - 1081.
33. Ryff, C.D. (1991). Possible selves in adulthood and old age: A tale of shifting horizons. Psychology and Aging, 6 (2),
34. 286-295.
35. Ryff, C.D., & Keyes, C.L.M. (1995). The structure of psychological well-being revisited. Journal of Personality and
36. Social Psychology, 69 (4), 719 - 727.
37. Ryff, C.D., & Singer, B. (1998). Middle age and well-being. In H.S. Friedman (ed.), Encyclopaedia of mental health
38. (pp. 707-719). San Diego, CA: Academic Press.
39. Ryff, C.D., & Singer, B. (2003). Flourishing under fire: Resilience as a prototype of challenged thriving. In C. L. M.
40. Keyes & J. Haidt (Eds.), Positive psychology and the life well-lived (pp. 15 - 36). Washington, DC:
41. APA.
42. Sagone, E., & De Caroli, M. E. (2014). Relationship between psychological well-being and resilience in middle and
43. late adolescents. Procedia- Social and Behavioral Sciences, 141, 881-887.
44. Sagone, E., & Indiana, M. L. (2017) The relationship of positive affect with resilience and self-efficacy in life skills in
45. Italian adolescents. Psychology, 8, 2226 - 2239.
46. Salo, I., & Allwood, C. M. (2011). Decision-making styles, stress and gender among investigators. Policing: An
47. International Journal of Police Strategies & Management, 34 (1), 97 - 119.
48. Prabandhan : Indian Journal of Management • January 2018 37
49. Saricaoglu, H., & Arslan, C. (2013). An investigation into psychological well-being levels of higher education
50. students with respect to personality traits and self-compassion. Educational Sciences: Theory &
51. Practice, 13 (4), 2097- 2104.
52. Schmutte, P. S., & Ryff, C. D. (1997). Personality and well-being: Re-examining methods and meanings. Journal of
53. Personality and Social Psychology, 73 (3), 549 -559.
54. Sharma, E. (2015). Mapping personality to enhance personal effectiveness. Prabandhan: Indian Journal of
55. Management, 8 (12), 44 - 55. doi:10.17010/pijom/2015/v8i12/84377
56. Souri, H., & Hasanirad, T. (2011). Relationship between resilience, optimism and psychological well-being in
57. students of medicine. Procedia – Social and Behavioral Sciences, 30 (1), 1541 - 1544.
58. Srivastava, S., & Sinha, A.K. (2005). Resilience for well-being: The role of experiential learning. Psychological
59. Studies, 50 (1),40 - 49.
60. Ullah, F. (2017). Personality factors as determinants of psychological well-being among university students. The
61. International Journal of Indian Psychology, 4 (2), 5-16.
62. Wagnild, G. M., & Young, H. M. (1993). Development and psychometric evaluation of the resilience scale. Journal of
63. Nursing Measurement, 1 (2), 165 - 178.
64. Waterman, J., & Rogers, J. (2004). Introduction to the FIRO-B instrument. Mountain View, CA : Consulting
65. Psychologists Press.
66. Yilmaz, H., Arslan, C., Saricaoglu, H., & Yilmaz, S. (2013). An investigation of subjective well-being in terms of
67. coping with stress and decision-making in university students. Middle East Journal of Scientific
68. Research, 14 (9), 1143 - 1148.
69. Youssef, C. M., & Luthans, F. (2007). Positive organizational behavior in the workplace : The impact of hope,
70. optimism, and resilience. Journal of Management, 33 (5), 774 - 800.